



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 23-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 7, 2022 (JYAISTHA 17, 1944 SAKA)

## PART II

### Notifications of Election Commission of India-Other Notifications and Republications from the Gazette of India

#### भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन,  
अशोक रोड,  
नई दिल्ली-110001

दिनांक : 27 अप्रैल, 2021

7 वैशाख, 1944 (शक)

#### आदेश

सं० 76/भा०नि०आ०/आ०/क्ष०/हरि-वि०स०/38/2019/उ०अनु०-II- यतः भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा राज्य के 38-नरवाना(अ०जा०) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए दिनांक 27.09.2019 की अपनी अधिसूचना के द्वारा हरियाणा विधानसभा के साधारण निर्वाचन आयोजित करने की घोषणा की थी और श्री हरदीप सिंह, स्वराज इंडिया ने पूर्वोक्त निर्वाचन लड़ा था;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, वह तिथि जब उसे नाम-निर्देशित किया गया है और उसके परिणाम की घोषणा की तिथि, दोनों तारिखें सम्मिलित, के बीच अपने द्वारा या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा उपगत या अधिकृत निर्वाचन संबंधी सभी खर्चों का, या तो स्वयं या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा एक पृथक और सही लेखा रखेगा और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से तीस दिनों के भीतर अपने निर्वाचन व्यय का लेखा निर्वाचन अधिकारी को दर्ज करेगा जो धारा 77 के अंतर्गत उसके द्वारा अथवा उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा रखे गए लेखे की सत्य प्रतिलिपि होगी;

और यतः निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89(2) के अधीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पत्र संख्या 06(Jind)/HVSElec.Exp-2019/1068 दिनांक 14.02.2020 के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द, हरियाणा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य के 38-नरवाना(अ०जा०)विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री हरदीप सिंह विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यय का कोई लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की रिपोर्टों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (5) के तहत निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल न करने पर, श्री हरदीप सिंह को कारण बताओ नोटिस दिनांक 06.03.2020 जारी किया गया था;

और यतः निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उपनियम (6) के अनुसार, दिनांक 06.03.2020 को उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के माध्यम से, श्री हरदीप सिंह को निर्देश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20

दिनों के भीतर लेखे प्रस्तुत न कर पाने का कारण स्पष्ट करते हुये आयोग को लिखित में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करें और साथ ही, निर्वाचन व्यय का अपना लेखा दाखिल करें/अपने लेखे में त्रुटियों को सही करें और उसे संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करें;

और यतः श्री हरदीप सिंह को आयोग जारी द्वारा उक्त नोटिस 29.04.2020 को स्वयं उनके द्वारा प्राप्त किया गया था। अभ्यर्थी से प्राप्त पावती, जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द, द्वारा दिनांक 10.06.2021 के अपने पत्र निर्वाचन-2020/719 के द्वारा आयोग को प्रस्तुत कर दी गई है;

और यतः जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द द्वारा दिनांक 22.02.2021 के अपने पत्र सं० निर्वाचन-2021/239 के द्वारा प्रस्तुत अनुपुरक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि श्री हरदीप सिंह निवासी गांव-धरौदी, तहसील-नरवाना, जिला-जीन्द, हरियाणा ने न तो कोई अभ्यावेदन दिया है और न ही मूल वाउचर्स सहित विधिवत रूप से हस्ताक्षरित निर्वाचन व्यय के सही लेखे प्रस्तुत किए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के सम्यक् नोटिस की प्राप्ति के बाद भी उक्त असफलता हेतु न तो कोई कारण बताया न ही स्पष्टीकरण दिया है;

और यतः भारत निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि श्री हरदीप सिंह निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं और असफलता के लिए उनके पास कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

और यतः लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क में यह अनुबंधित किया गया है कि :-

“यदि निर्वाचन आयोग को यह समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति—

- (क) निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या कानून के अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में असफल रहा है; तथा
- (ख) उसके पास उस असफलता के लिए कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है, तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा कोई भी व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित रहेगा;

अब इसीलिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा हरियाणा राज्य के 38-नरवाना (अ०जा०)विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा साधारण निर्वाचन-2019 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री हरदीप सिंह निवासी गांव-धरौदी, तहसील-नरवाना, जिला-जीन्द, हरियाणा को संसद के किसी भी सदन या राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा अथवा विधान परिषद् के लिए सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

आदेश से,

एस०बी० जोशी,  
प्रधान सचिव,  
भारत निर्वाचन आयोग।

सेवा में,

हरदीप सिंह,  
गांव-धरौदी, तहसील-नरवाना,  
जिला-जीन्द, हरियाणा।

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan,  
Ashoka Road,  
New Delhi-110001

Dated: 27th April, 2022

07 Vaisakha, 1944 (Saka)

## Order

**No.76/ECI/ORD/TERR/HAR-LA/38/2019/NS-II.— WHEREAS**, the Election Commission of India had declared to hold General Election to Legislative Assembly of State of Haryana from **38-Narwana (SC)** Assembly Constituency vide its Notification dated **27.09.2019** and **Shri Hardeep Singh** had contested the aforesaid election from **Swaraj India Party**;

**AND WHEREAS**, as per Section 77 (1) of the Representation of the People Act, 1951, every candidate at election shall, either by himself or by his election agent, keep a separate and correct account of all expenditure in connection with the election incurred or authorized by him or by his election agent between (the date on which he has been nominated) and the date of declaration of the result thereof, both dates inclusive & as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate at an election shall, within thirty days from the date of election of the returned candidate lodge with the District Election Officer (DEO) account of his election expenses which shall be in a true copy of the account kept by him or by his election agent under Section 77;

**AND WHEREAS**, as per the report under rule 89(2) of the Conduct of Election Rules, 1961, submitted by the District Election Officer-cum-Deputy Commissioner, Jind, Haryana through the Chief Electoral Officer Haryana's letter No. **06 (Jind)/HVSElec.Exp-2019/1068, dated 14.02.2020**, **Shri Hardeep Singh** the contesting candidate from **38-Narwana (SC) Assembly Constituency** of Haryana, has failed to lodge any account of his election expenses as required by law;

**AND WHEREAS**, on the basis of the reports of the **District Election Officer, Jind, Haryana** and the **Chief Electoral Officer, Haryana**, a Show Cause notice dated **06.03.2020** was issued by the Election Commission of India under Sub Rule (5) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961 to **Shri Hardeep Singh** for non-submission of account of Election expenses as required by law;

**AND WHEREAS**, as per Sub Rule (6) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961, through the above said **Show Cause Notice dated 06.03.2020**, **Shri Hardeep Singh** was directed to submit his representation in writing in the Commission explaining the reasons for non-submission of accounts and also to lodge his accounts of election expenses/rectify the defects in his accounts and submit the same to the District Election Officer concerned within 20 days from the date of receipt of the notice;

**AND WHEREAS**, the said notice was received by himself on **29.04.2020**. Acknowledgement receipt obtained from **Shri Hardeep Singh** have been submitted to the Commission by **District Election officer, Jind** vide his letter **No. Election-2020/719 dated. 10.06.2020**.

**AND WHEREAS**, in the supplementary report submitted by **DEO, Jind** vide his letter **No. Election-2021/239 dated 22.02.2021**, it has been stated that **Shri Hardeep Singh, resident of Village-Dharodi, Tehsil-Narwana, Distt.- Jind, Haryana** has not submitted any representation or a statement of correct account of his election expenses, duly signed along with original vouchers. Further, he has neither furnished any reason nor explanation for the said failure even after receipt of the due notice to the Election Commission of India as well;

**AND WHEREAS**, the Commission satisfied that **Shri Hardeep Singh** has failed to lodge an account of election expenses as required by law and has no good reason or justification for the failure;

**AND WHEREAS**, Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951 stipulates that:—

“If the Election Commission is satisfied that a person—

- (a) Has failed to lodge an account of election expenses within the time required by law or under this Act;  
**and**
- (b) Has no good reason or justification for the failure the Election Commission shall by order published in the official Gazette, declare him to be disqualified and any such person shall be disqualified for a period of three years from date of the order;

**NOW THEREFORE**, in pursuance of Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission of India hereby declares **Shri Hardeep Singh, resident of Village-Dharodi, Tehsil-Narwana, Distt.- Jind Haryana** the contesting candidate for the General Election to Haryana Legislative Assembly-2019 from **38-Narwana (SC) Assembly Constituency** to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or Union Territory for a period of three years from the date of this order.

By order,

S. B. JOSHI,  
Principal Secretary,  
Election Commission of India.

To

Hardeep Singh,  
Village Dharodi,  
Tehsil-Narwana,  
Distt.-Jind, Haryana.



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 23-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 7, 2022 (JYAISTHA 17, 1944 SAKA)

## PART II

### Notifications of Election Commission of India-Other Notifications and Republications from the Gazette of India

#### भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन,  
अशोक रोड,  
नई दिल्ली-110001

दिनांक : 27 अप्रैल, 2021

7 वैशाख, 1944 (शक)

#### आदेश

सं० 76/भा०नि०आ०/आ०/क्ष०/हरि-वि०स०/38/2019/उ०अनु०-II.- यतः भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा राज्य के 38-नरवाना(अ०जा०) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए दिनांक 27.09.2019 की अपनी अधिसूचना के द्वारा हरियाणा विधानसभा के साधारण निर्वाचन आयोजित करने की घोषणा की थी और श्री वकील रसीला, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी ने पूर्वोक्त निर्वाचन लड़ा था;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, वह तिथि जब उसे नाम-निर्देशित किया गया है और उसके परिणाम की घोषणा की तिथि, दोनों तारिखें सम्मिलित, के बीच अपने द्वारा या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा उपगत या अधिकृत निर्वाचन संबंधी सभी खर्चों का, या तो स्वयं या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा एक पृथक और सही लेखा रखेगा और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से तीस दिनों के भीतर अपने निर्वाचन व्यय का लेखा निर्वाचन अधिकारी को दर्ज करेगा जो धारा 77 के अंतर्गत उसके द्वारा अथवा उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा रखे गए लेखे की सत्य प्रतिलिपि होगी;

और यतः निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89(2) के अधीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पत्र संख्या 06 (Jind)/HVSElec.Exp-2019/1068 दिनांक 14.02..2020 के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द, हरियाणा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य के 38-नरवाना(अ०जा०)विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री वकील रसीला विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यय का कोई लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द हरियाणा और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की रिपोर्टों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (5) के तहत निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल न करने पर, श्री वकील रसीला को कारण बताओ नोटिस दिनांक 06.03..2020 जारी किया गया था;

और यतः निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उपनियम (6) के अनुसार, दिनांक 06.03..2020 को उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के माध्यम से, श्री वकील रसीला को निर्देश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20 दिनों के भीतर लेखे प्रस्तुत न कर पाने का कारण स्पष्ट करते हुये आयोग को लिखित में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करें

और साथ ही, निर्वाचन व्यय का अपना लेखा दाखिल करें/अपने लेखे में त्रुटियों को सही करें और उसे संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करें;

और यतः श्री वकील रसीला को आयोग जारी द्वारा उक्त नोटिस 22.04.2020 को स्वयं उनके द्वारा प्राप्त किया गया था। अभ्यर्थी से प्राप्त पावती, जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द, द्वारा दिनांक 10.06.2021 के अपने पत्र निर्वाचन-2021/719 के द्वारा आयोग को प्रस्तुत कर दी गई है;

और यतः जिला निर्वाचन अधिकारी, जीन्द द्वारा दिनांक 22.02.2021 के अपने पत्र सं० निर्वाचन-2021/239 के द्वारा प्रस्तुत अनुपुरक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि श्री वकील रसीला गांव-उझाना तहसील-नरवाना, जिला-जीन्द, हरियाणा ने न तो कोई अभ्यावेदन दिया है और न ही मूल वाउचर्स सहित विधिवत रूप से हस्ताक्षरित निर्वाचन व्यय के सही लेखे प्रस्तुत किए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के सम्यक् नोटिस की प्राप्ति के बाद भी उक्त असफलता हेतु न तो कोई कारण बताया न ही स्पष्टीकरण दिया है;

और यतः भारत निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि श्री वकील रसीला निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं और असफलता के लिए उनके पास कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

और यतः लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क में यह अनुबंधित किया गया है कि :-

“यदि निर्वाचन आयोग को यह समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति-

- (क) निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या कानून के अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में असफल रहा है; तथा
- (ख) उसके पास उस असफलता के लिए कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है, तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा कोई भी व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित रहेगा;

अब इसीलिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा हरियाणा राज्य के 38-नरवाना (अ०जा०)विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा साधारण निर्वाचन-2019 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री वकील रसीला गांव-उझाना तहसील-नरवाना, जिला-जीन्द, हरियाणा को संसद के किसी भी सदन या राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा अथवा विधान परिषद के लिए सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

आदेश से,

एस०बी० जोशी,  
प्रधान सचिव,  
भारत निर्वाचन आयोग।

सेवा में,

वकील रसीला,  
निवासी-गांव उझाना,  
तहसील-नरवाना,  
जिला जीन्द, हरियाणा।

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan,  
Ashoka Road,  
New Delhi-110001

Dated: 27th April, 2022

07 Vaisakha, 1944 (Saka)

## Order

**No. 76/ECI/ORD/TERR/HAR-LA/38/2019/NS-II.— WHEREAS**, the Election Commission of India had declared to hold General Election to Legislative Assembly of State of Haryana from **38-Narwana (SC) Assembly Constituency** vide its Notification dated **27.09.2019** and **Shri Vakeel Rashila, Loktanter Suraksha Party** had contested the aforesaid election;

**AND WHEREAS**, as per Section 77 (1) of the Representation of the People Act, 1951, every candidate at election shall, either by himself or by his election agent, keep a separate and correct account of all expenditure in connection with the election incurred or authorized by him or by his election agent between (the date on which he has been nominated) and the date of declaration of the result thereof, both dates inclusive & as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate at an election shall, within thirty days from the date of election of the returned candidate lodge with the District Election Officer (DEO) account of his election expenses which shall be in a true copy of the account kept by him or by his election agent under Section 77;

**AND WHEREAS**, as per the report under rule 89(2) of the Conduct of Election Rules, 1961, submitted by the **District Election Officer-cum-Deputy Commissioner, Jind, Haryana** through the Chief Electoral Officer Haryana's letter No. **06 (Jind)/HVSElec.Exp-2019/1068, dated 14.02.2020, Shri Vakeel Rashila, Loktanter Suraksha Party**, the contesting candidate **38-Narwana (SC) Assembly Constituency** of Haryana, has failed to lodge any account of his election expenses as required by law;

**AND WHEREAS**, on the basis of the reports of the **District Election Officer, Jind, Haryana** and the Chief Electoral Officer, Haryana, a Show Cause notice **dated 06.03.2020** was issued by the Election Commission of India under Sub Rule (5) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961 to **Shri Vakeel Rashila** for non-submission of account of Election expenses as required by law;

**AND WHEREAS**, as per Sub Rule (6) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961, through the above said **Show Cause Notice dated 06.03.2020, Shri Vakeel Rashila** was directed to submit his representation in writing in the Commission explaining the reasons for non-submission of accounts and also to lodge his accounts of election expenses/rectify the defects in his accounts and submit the same to the District Election Officer concerned within 20 days from the date of receipt of the notice;

**AND WHEREAS**, the said notice was received by himself on **29.04.2020**. Acknowledgement receipt obtained from **Shri Vakeel Rashila** have been submitted to the Commission by **District Election officer, Jind** vide his letter **No. Election-2021/719 dated. 10.06.2021**;

**AND WHEREAS**, in the supplementary report submitted by **DEO, Jind** vide his letter **No. Election-2021/239 dated 22.02.2021**, it has been stated that **Shri Vakeel Rashila, resident of Village-Ujhana, Tehsil-Narwana, Distt.-Jind, Haryana** has not submitted any representation or a statement of correct account of his election expenses, duly signed along with original vouchers. Further, he has neither furnished any reason nor explanation for the said failure even after receipt of the due notice to the Election Commission of India as well;

**AND WHEREAS**, the Commission satisfied that **Shri Vakeel Rashila** has failed to lodge an account of election expenses as required by law and has no good reason or justification for the failure;

**AND WHEREAS**, Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951 stipulates that:—

“If the Election Commission is satisfied that a person—

- (a) Has failed to lodge an account of election expenses within the time required by law or under this Act;  
**and**
- (b) Has no good reason or justification for the failure the Election Commission shall by order published in the official Gazette, declare him to be disqualified and any such person shall be disqualified for a period of three years from date of the order;

**NOW THEREFORE**, in pursuance of Section 10 A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission of India hereby declares **Shri Vakeel Rashila, resident of Village-Ujhana, Tehsil-Narwana, Distt.- Jind, Haryana** the contesting candidate for the General Election to Haryana Legislative Assembly-2019 from **38-Narwana (SC) Assembly Constituency** to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or Union Territory for a period of three years from the date of this order.

By order,

S. B. JOSHI,  
Principal Secretary,  
Election Commission of India.

To

Shri Vakeel Rashila,  
Village-Ujhana,  
Tehsil-Narwana,  
Distt.-Jind, Haryana.